

भारत का राजपत्र^१
The Gazette of India
असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 477] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 20, 1986/कार्तिक 29, 1908

No. 477] NEW DELHI, THURSDAY, NOV. 20, 1986/KARTIKA 29, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

विस मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1986

प्रधिकरण

का० आ० 850(अ) :—केन्द्रीय सरकार, तस्कर और विदेशी मुद्रा छालसाधक
(सम्पत्ति सम्पर्हण) प्रधिनियम, 1976 (1976 का 13) की धारा 12 की
उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली उच्च न्यायालय
के सेवा-निवृत्त न्यायमूर्ति मामनीय श्री डॉ शार० खन्ना को सम्पर्हृत सम्पत्ति
द्वारा प्रधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[म 33/86/फा म 22/7/86-प्रशा-I सी]

ए के मिल्हा, इसके प्रधिकरणी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 18th November, 1986

NOTIFICATION

S.O. 850(E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 12 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (13 of 1976), the Central Government hereby appoints Hon'ble Shri Justice D. R. Khanna, retired Judge of the Delhi High Court, as Chairman, Appellate Tribunal for Forfeited Property.

[No. 33/86 (F. No. 22/7/86-Ad. IC)]

A. K. SINHA, Desk Officer